



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 64]

No. 64]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 3, 2003/फाल्गुन 12, 1924

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 3, 2003/PHALGUNA 12, 1924

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2003

विषय : ताईवान तथा यू ए ई के मूल अथवा वहां से निर्यातित सन/डस्ट कंट्रोल्ड पॉलिएस्टर फिल्म के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत।

सं. 14/53/2002-डीजीएडी.—मैसर्स गरवारे पॉलिएस्टर लि०, गरवारे हाऊस, 50 ए, एस एन मार्ग, विले पार्ले (ईस्ट), मुम्बई-400057, ने 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक याचिका दायर की है जिसमें चीनी ताइपेई (ताईवान) तथा यू ए ई के मूल या वहां से निर्यातित सन/डस्ट कंट्रोल्ड पॉलिएस्टर फिल्म के पाटन का आरोप लगाया है और पाटन की जांच शुरु करने और पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है।

1. **शामिल उत्पाद:** वर्तमान मामले में जांचाधीन उत्पाद विशिष्ट पॉलिएस्टर फिल्म अर्थात् ताईवान तथा यू ए ई मूल या वहां से निर्यातित सन/डस्ट कंट्रोल्ड पॉलिएस्टर फिल्म है। सन/डस्ट कंट्रोल्ड पॉलिएस्टर फिल्म शीशे की खिड़कियों की अन्दरूनी सतह पर लगाई जाती है। इसका मुख्य कार्य सौर उष्मा के अवशोषण, पर-बैंगनी प्रकाश तथा चमक को कम करना है जो सामान्यतः खिड़कियों के अंदर प्रवेश कर जाती है। इस फिल्म से टूट-फूट भी कम होती है। सन/डस्ट कंट्रोल्ड पॉलिएस्टर फिल्म सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के

अध्याय 39 के अंतर्गत सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 392069 के तथा भारतीय सीमाशुल्क टैरिफ वर्गीकरण के अधीन शीर्ष 39206904 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है तथा वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र पर किसी भी प्रकार बाध्यकारी नहीं है।

2. **घरेलू उद्योग की स्थिति:** यह याचिका मै0 गरवारे पॉलिएस्टर लि0 मुम्बई द्वारा दायर की गई है जो देश में सन/डस्ट कंट्रोल्ड पॉलिएस्टर फिल्म के एकमात्र उत्पादक हैं। याचिकाकर्ता का सन/डस्ट कंट्रोल्ड पॉलिएस्टर फिल्म के निर्माण में 100% का हिस्सा तथा वह वर्तमान याचिका दायर करने की स्थिति में है।
3. **शामिल देश :** वर्तमान जांच में शामिल क्षेत्र/देश ताईवान तथा संयुक्त अरब अमीरात(यू ए ई) (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) हैं।
4. **समान वस्तु:** याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तुएं संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित माल के समान वस्तु है। नियमों के अर्थ के भीतर याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित माल को संबद्ध देश/क्षेत्र से आयातित माल के समान वस्तु माना जा रहा है।
5. **पाटन तथा पाटन मार्जिन:**

सामान्य मूल्य: याचिकाकर्ता ने उचित लाभ के साथ बिक्री के लिए विधिवत् समायोजित अनुमानित उत्पादन लागत, सामान्य और प्रशासनिक व्ययों के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है।

संबद्ध देशों में सन/डस्ट कंट्रोल्ड पॉलिएस्टर फिल्म के सामान्य मूल्य के संबंध में प्रथम दृष्ट्या पर्याप्त साक्ष्य हैं।

निर्यात कीमत: याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस), कोलकाता द्वारा प्रकाशित आंकड़ों पर आधारित निर्यात कीमत पर भरोसा नहीं किया जा सकता क्योंकि इस हेतु माप के अनेक अलग-अलग यूनिटों में आयात के बारे में रिपोर्ट दी गई है। याचिकाकर्ता ने अप्रैल-सितम्बर, 2002 की अवधि के लिए गौण स्रोत से एकत्रित आंकड़ों पर आधारित जानकारी पर भरोसा किया है। लेकिन यू.ए.ई. के मामले में याचिकाकर्ता ने डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों पर भरोसा जताया है क्योंकि इस माल के किसी भी आयात का गौण स्रोतों द्वारा संकलित आंकड़ों में **पूरा** दावा नहीं दिखाया गया है। निर्यात से समायोजन का दावा

समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग, पत्तन प्रभारों के कारण किया गया है।

संबद्ध देशों से सन/डस्ट कंट्रोल्ड पॉलिएस्टर फिल्म की निर्यात कीमत के संबंध में प्रथम दृष्ट्या पर्याप्त साक्ष्य हैं।

सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत को ध्यान में रखते हुए पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमाओं से बहुत अधिक हैं। इस बात के प्रथम दृष्ट्या पर्याप्त साक्ष्य हैं कि संबद्ध देशों में विचाराधीन उत्पाद का सामान्य मूल्य उस कीमत से काफी अधिक है जिस कीमत पर इसका भारत को निर्यात किया गया है जिससे यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

6. **क्षति एवं कारणात्मक संबंध :** घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न आर्थिक सूचक जैसे आयातों की मात्रा, उनका हिस्सा, निर्यात कीमत में कमी, कीमत में कटौती, लाभ-हानि आदि, सामूहिक तथा संचयी रूप से यह संकेत देते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। इस बात के प्रथम दृष्ट्या पर्याप्त साक्ष्य हैं कि विचाराधीन उत्पाद के आयात से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
7. **पाटनरोधी जांच की शुरूआत:** उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध देशों/क्षेत्रों के मूल की याह वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव का निर्धारण करने के लिए पाटनरोधी जांच आरंभ करते हैं।
8. **जांच की अवधि:** वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2002 से 31 दिसम्बर, 2002 (१ महीने) तक की है।
9. **सूचना प्रस्तुत करना :** संबद्ध देशों के निर्यातकों और ज्ञात संबद्ध आयातकों को अपने विचार निर्दिष्ट प्राधिकारी, वाणिज्य मंत्रालय, पाटनरोधी निदेशालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को प्रस्तुत करने हेतु संबंधित सूचना निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से देने और भेजने के लिए अलग-अलग पत्र लिखे जा रहे हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी निम्नानुसार निर्धारित समय सीमा में निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से जांच से संबंधित अपने निवेदन कर सकते हैं।

10. **समय सीमा:** वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में इस प्रकार से भेजी जाए जो उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास, इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से चालीस दिनों के बाद न पहुंचे। तथापि जिन ज्ञान निर्यातकों और आयातकों को अलग-अलग पत्र लिखे जा रहे हैं, उन्हें अलग-अलग लिखे गए पत्रों की तारीख से चालीस दिनों के भीतर सूचना देनी होगी।

पाटनरोधी जांच एक समयबद्ध प्रक्रिया होने के कारण यदि निर्धारित समयावधि के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा अधूरी सूचना प्राप्त होती है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी पूर्वोक्त नियमों के अनुसार रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम का अभिलेख कर सकते हैं।

11. **सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण:** नियम 6(7) के अनुसार, कोई भी हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय रूपान्तर रखा गया है।
12. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना देने से मना करता है या उचित अवधि में उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में पर्याप्त बाधा डालता है तो प्राधिकारी, अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणामों का अभिलेख कर सकता है तथा केन्द्र सरकार को ऐसी सिफारिशें कर सकता है जो वह समझे।

एल. वी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd March, 2003

Subject : Initiation of Anti-dumping investigations concerning import of Sun/Dust Control Polyester Film originating in or exported from Taiwan and UAE.

No. 14/53/2002-DGAD.— M/s. Garware Polyester Limited, Garware House, 50A, S.N. Marg, Vile Parle (East), Mumbai 400 057, has filed a petition before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995, the Customs Tariff (Identification, Assessment Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles for Determination of Injury) Rules, 1995 alleging dumping of Sun / Dust Control Polyester Film originating in or exported from Chinese Taipei (Taiwan) & UAE and have requested for initiation of anti-dumping investigations and levy of anti-dumping duty.

1. **Product Involved:** The product under investigation in the present case is Specialty Polyester Film i.e. Sun / Dust Control Polyester Film originating in or exported from Taiwan & UAE. Sun / Dust Control Polyester Film is applied to the inner side of the glass windows. Its main function is to reduce the solar heat glare, ultra violet light and glare that normally would enter through the windows. This film also provides increased shatter resistance. The Sun / Dust Control Polyester Film is classified under Customs Tariff Heading 39 20 69 under Chapter 39 of the Customs Tariff Act, 1975, and 39.20.69.04 under Indian Custom Tariff Classification. The Classification is however indicative only in no way binding on the scope of the present investigations.
2. **Domestic Industry Standing:** The petition has been filed by M/s. Garware Polyester Limited, Mumbai and is the sole producer of Sun / Dust Control Polyester Film in the country. The petitioner represent 100% of the Indian production of Sun/ Dust Control Polyester Film and satisfy the standing to file the present petition.
3. **Country(ies) Involved:** The territory/country involved in the present investigations are Taiwan & United Arab Emirates (UAE) (referred to as subject countries hereinafter).

4. Like Article: The petitioner has claimed that goods produced by it are like articles to the goods originating in or exported from the subject countries. Goods produced by the petitioner are being treated as Like Articles to the goods imported from the subject country/territory within the meaning of the Rules.

5. Dumping & Dumping Margin:

Normal Value: The petitioner has claimed normal value on the basis of estimate of cost of production, duly adjusted for selling, general and administrative expenses with reasonable profit.

There is sufficient prime facie evidence with regard to normal value of Sun/ Dust Control Polyester Film in the subject countries.

Export Price: The petitioner has claimed that export price based on the data published by the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics, (DGCI &S) Calcutta can not be relied upon due to reporting of imports in a number of different 'units of measurements'. Petitioner has relied upon information based on data collected from Secondary source, for the period April to September, 2002. However, with regard to UAE, petitioner has relied upon the data published by the DGCI&S, as few imports of this material is claimed to have been shown in the data compiled by the Secondary Sources. Adjustments have been claimed from the export price on account of Ocean Freight, Marine insurance, Commission, Inland Transportation Port handling port charges.

There is sufficient prime facie evidence with regard to export price of Sun / Dust Control Polyester Film from the subject countries.

Considering the normal value export price, the dumping margins are significantly higher than the de-minimus limits, there is sufficient prima facie evidence that the normal value of the product under consideration in the subject countries is significantly higher than the price at which it has been exported to India indicating that subject goods are being dumped by exporters from subject countries.

6. Injury Causal Link: The various economic indicators relating to domestic industry such as volume of imports, their share, decline in the export price, price undercutting, profit/loss etc. collectively cumulatively, indicate that the domestic industry has suffered injury. There is sufficient prima facie evidence that the import of product under consideration have caused material injury to the domestic industry.

7. Initiation of Anti-Dumping Investigation: In view of the foregoing, the Designated Authority initiates anti-dumping investigations to determine the existence, degree & effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries/territories.
8. Period of Investigation: The period of investigation for the purpose of the present investigations is 1st April, 2002 to 31st December, 2002 (9 months).
9. Submission of Information: The exporters in the subject countries the importers in known to be concerned are being addressed separately to submit relevant information in the form manner prescribed to make their views known to the Designated Authority, Ministry of Commerce, Directorate General of Anti-dumping Allied Duties, Udyog Bhavan, New Delhi-110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form & manner within the time limit set out below.
10. Time Limit: Any information relating to the present investigations should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters, importers, who are being addressed separately, are, however, required to submit the information within forty days from the date of letter addressed to them separately.

Anti-dumping investigations being a time bound exercise, the Designated Authority may record its findings on the basis of facts available on record in accordance with the Rules supra, if no response is received within the time stipulated or the information is incomplete in any respect.

11. Inspection of Public File: In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.
12. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority